बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा
सत्संग प्रवेश
प्रश्नपत्र - १

प्रातः ९:०० से ११:१५] (रविवार, २१ फरवरी, ११९९) **कुल अंक : ७५**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उस के अंक दर्शाए गए हैं ।

(विभाग - १ नीलकंठ चरित्र)

प्र. १. निम्नांकित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किस से और कब कहता है, यह लिखिए। **६**

१. *''आप उलझना मत, आपकी सेवा हम करेंगे ।''*
२. *''यदि भोजन तैयार न हो तो हम जा रहे है ।''*
३. *''आपको वरदान देनेवाला में कौन ?''*
४. *''सत्संग में रहने की जरूरत हो तो खंभेको लिपटकर रहना ।''*

प्र. २. निम्नांकित में से किन्हीं दो के १० - १२ पंक्तियों में कारण बताईए । **८**

१. *राजा के सिपाईयोंने नीलकंठ को वाडी में जाने से रोका ।*
२. *भगवानदासने नीलकंठ को भगवान ही माना ।*
३. *नीलकंठने लोजपुर में गोख बंध करवाया ।*
४. *नीलकंठने आपनी वाणी को शाप दिया ।*

प्र. ३. निम्नांकित में से किसी एक का मुद्दासर विवरण कीजिए। **४**

१. *रता बशिया का कल्याण ।*
२. *बोचासण में नीलकंठ ।*
३. *नौलाख योगीओं का उद्धार ।*

प्र. ४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **६**

१. *नीलकंठ के शालिग्राम को खिलाने के लिये कौन आएँ ? क्या खिलाया ?*
२. *नीलकंठने कितने समय तक वनविचरण किया ?*
३. *नीलकंठ और रामानंद स्वामी का प्रथम मिलन कहाँ हुआ ?*

४. *नीलकंठ के बाँये पैर कें चिह्नों के नाम लिखो ।*
५. *रघुनंदन को सजीवन कर के वर्णीने क्या कहा ?*
६. *नीलकंठ किसके पास से अष्टांग योग सीखे ?*

प्र. ५. निम्नांकित में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर उस का भावार्थ लिखिए । (करीब १२ पंक्तियों में) **४**

१. *नाग का मोक्ष ।*
२. *स्त्री-पुरुषकी अलग सभा ।*
३. *लखुचारण की भक्ति और माँग ।*

प्र. ६. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **४**

१. *झूलेमें ..... को मूर्तिकी जगह सबको वर्णी के दर्शन हुए ।*
२. *रामानंद स्वामी को स्वप्न में दर्शन देकर ..... ने दीक्षा दी ।*
३. *..... ने गायके रूप में प्रार्थना की ।*
४. *जयरामदास के मित्रका नाम ..... था ।*

(विभाग - २ सत्संग वांचनमाला भाग - १)

प्र. ७. निम्नलिखित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किस से और कब कहतें है, यह लिखिए । **६**

१. *''मुझे तो ब्रह्मचर्यव्रत का पालन करके भगवान का भजन करना है ।''*
२. *''महाराज, मैं तो कविता बनाता था । जोले नहीं खाता था ।''*
३. *''महाराज को राजी करनेके लिये लिखा था और पन्ने चीरकर भी महाराज राजी हुए ।''*
४. *''रुठकर भक्ति करना, वह अच्छा नहीं ।''*

प्र. ८. किन्हीं दो के कारण दीजिए । (१० - १२ पंक्तियों में) **८**

१. *'लाडुदानजी ने धन्य आजकी घडी.....' पद बनाया ।*
२. *श्रीजीमहाराजने झीणाभाई की ननामी ढोई ।*
३. *जोबन के प्राण निकल गये ।*
४. *एभल खाचर को श्रीजीमहाराज का निश्चय हुआ ।*

प्र. ९. निम्नांकित में से किसी एक पर १२ पंक्तियों में मुद्देसर टिप्पणी लीखिए । ४

१. *खैया खत्री का पराजय ।*

२. *जोबन का परिवर्तन ।*

३. *देवानंद स्वामी की कवित्वशक्ति ।*

प्र. १०. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । ६

१. *आशाभाई हर एक पूनम को कहाँ जाते थे ?*

२. *जगन्नाथ विप्र को दीक्षा देकर नामकरण किया तब महाराजने क्या कहा ?*

३. *आफ्रिका सत्संग प्रचार में किसका योगदान है ?*

४. *महाराज ने झीणाभाई के निश्चय की परीक्षा लेने के लिए क्या किया ?*

५. *देवीदान को भगवानने प्रगट होकर क्या वरदान दिया ?*

६. *कारियाणी से गढपुर आते समय जीवुबा किसके लिये रथमें से उतर गये ?*

प्र. ११. निम्नांकित में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर उस का भावार्थ लीखिए । (करीब १२ पंक्तियों में) ४

१. *निर्गुण स्वामी की नि:स्पृहीता ।*

२. *गुणातीतानंद स्वामी के द्वारा शुकमुनि को की गई सर्वोपरी निष्ठा ।*

३. *आशाभाई की समज ।*

(विभाग - ३ निबंध)

प्र. १२. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग ४५ पंक्तियों में निबंध लीखिए । १५

१. *श्रीजीके परमरत्न - परमहंस ।*

२. *प्रमुखस्वामी महाराज की पराभक्ति ।*

३. *आध्यात्मिक प्रगति की गुरुचाबी - सत्पुरुष की आज्ञा ।*